सत्य का असर

कानपुर संस्करण | 23 अगस्त 2026 • रविवार • वर्ष 16 • अंक 238 • मूल्य ₹ 5.00

सीएसए में छः दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण का भव्य समापन, 49 युवाओं को मिला रोजगार का मंत्र

17 से 22 अगस्त तक चला प्रशिक्षण, बटन और ढिंगरी मशरूम की वैज्ञानि खी सिखाई, सरकारी योजनाओं और सब्सिडी की दी जानकारी

सीएसए कानपुर में मशरूम प्रशिक्षण के समापन पर प्रमाण-पत्र वितरण के बाद प्रशिक्षणार्थियों के साथ वैज्ञानिक - फोटो: सत्य का असर

चंद्र शेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग द्वारा 17 से 22 अगस्त 2026 तक छह दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य समापन हुआ। प्रशिक्षण में प्रदेश के 49 युवा शामिल हुए जिनमें 3 महिलाएँ भी थीं।

कानपुर. विश्वविद्यालय के शिक्षकों डॉ. मुकेश श्रीवस्तव, विभागाध्यक्ष, डॉ. विनीता सिंह, शिवानी चौधरी, डॉ. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. सैथिलकुमार एस., श्रीमती रोशनी ने मशरूम का इतिहहास, श्वेत बटन मशरूम उत्पादन. ढिंगरी मशरूम उकनीक, मूल्यवर्धक उत्पाद, व्यंजन, बीमारियाँ प्रबंधन, फार्म संरचना की जानकारी दी। जिला उद्यान अधिकारी उमेश चंद्र, डॉ. धनंजय सिंह, फाउंडर भारत एग्रीटेक, शिवम त्रिपाठी, एमएसएमई ने सरकारी योजनाएँ, सब्सिडी, लोन, पीएम सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना, स्पॉन उत्पादन की जानकारी दी। अंतिम दिन शंका समाधान और प्रशिक्षण मैनुअल वितरण किया गया। प्रशिक्षणर्थियों ने स्वरोजगार शुरू करने की इच्छा जताई।

रिपोर्ट: पत्रकार जितेन्द्र कुमार सिंह पटेल, कानपुर • www.satyakaaasar.com

सत्य का असर

कानपुर संस्करण • 24 अगस्त 2026 पृष्ठ 01 • मूल्य 5.00 रुपये

सीएसए में रबी दालों पर होगी 31वीं अखिल भारतीय वार्षिक समूह बैठक

29-30 अगस्त को सीएसए और भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में होगा आयोजन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता - फोटो: सत्य का असर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय 29 एवं 30 अगस्त 2026 को रबी दलहनी फसलों पर अखिल भारतीय 31वीं वार्षिक समूह बैठक का आयोजन किया जाएगा।

कुलपति ने बताया कि दलहन प्रोटीन का महत्वपूर्ण स्रोत है और सूखा, गर्मी, सर्दी जैसे पर्यावरणीय तनावों के प्रति उल्लेखनीय रूप से प्रतिरोधी हैं। जिससे दलहन कृषि परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण फसल बन गई है। उन्होंने बताया कि दलहनी फसलें कम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जित करती हैं तथा कार्बन को अवशोषित करने का काम करती हैं और मृदा स्वास्थ्य बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं जो दलहन को जलवायु के अनुकूल और देश के लिए रणनीतिक रूप से आवश्यक फसल बनाती है।

विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि इस सम्मेलन में देश के 100 से अधिक दलहनी फसलों के शोध वैज्ञानिक प्रतिभाग करेंगे। कुलपति डॉ. गुप्ता ने कहा कि इस वार्षिक बैठक का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय प्रणाली में मूल्य संवर्धन करना और दलहन सुधार कार्यक्रमों को गति देना है तथा देश को दलहन क्षेत्र में **आत्मनिर्भरता हेतु रणनीति तैयार करना है।**

रिपोर्ट: पत्रकार जितेन्द्र कुमार सिंह पटेल, कानपुर. • सत्य का असर • www.satyakaasar.com • कानपुर • अंक 4287

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

211 लखनऊ व एटा से प्रकशित रविवार,23 अगस्त 2026 पृष्ठ : 4 मूल्य :

सीएसए में रबी दालों पर होगी 31वीं अखिल भारतीय वार्षिक समूह बैठक

रहस्य संदेश ब्यूरो

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय (29 एवं 30 अगस्त 2026.) रबी दलहनी फसलों पर अखिल भारतीय 31वीं वार्षिक समूह बैठक का आयोजन किया जाएगा।कुलपति ने बताया कि दलहन प्रोटीन का महत्वपूर्ण स्रोत है और सूखा,गर्मी,सर्दी जैसे पर्यावरणीय तनावों के प्रति उल्लेखनीय रूप से प्रतिरोधी हैं।जिससे दलहन कृषि परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण फसल बन गई है उन्होंने बताया कि दलहनी फसले कम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जित करती हैं तथा कार्बन को अवशोषित करने का काम करती हैं और मृदा स्वास्थ्य बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं जो दलहन को जलवायु के अनुकूल और देश के लिए रणनीतिक रूप से आवश्यक फसल बनती है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि इस सम्मेलन में देश विख्यात प्राप्त 100 से अधिक दलहनी फसलों के शोध वैज्ञानिक प्रतिभाग करेंगे, जो दलहन सुधार कार्यक्रमों में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए कृषि अनुसंधान में आधुनिक उपकरणों तथा

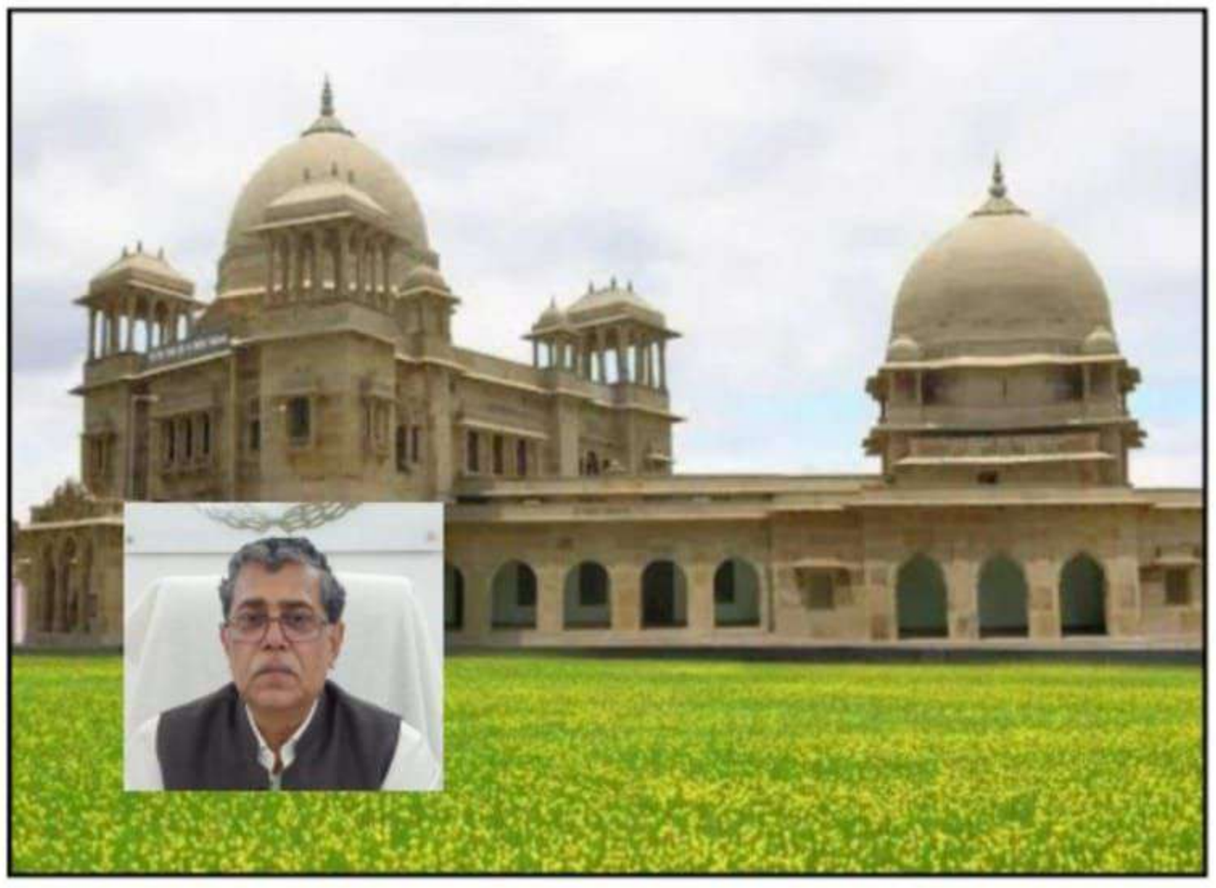

विशिष्ट उत्पाद विकसित करने के महत्व आदि को रेखांकित करेंगे। कुलपति डॉ गुप्ता ने कहा कि इस वार्षिक बैठक का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय प्रणाली में मूल्य संवर्धन करना और दलहन सुधार कार्यक्रमों को गति देना है तथा देश को दलहन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हेतु राष्ट्रीय दिशा से जुड़ कर रणनीति तैयार करना है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय (29 एवं 30 अगस्त 2026.) रबी दलहनी फसलों पर अखिल भारतीय 31वीं वार्षिक समूह बैठक का आयोजन किया जाएगा।कुलपति ने बताया कि दलहन प्रोटीन का महत्वपूर्ण स्रोत है और सूखा,गर्मी,सर्दी जैसे पर्यावरणीय तनावों के प्रति उल्लेखनीय रूप से प्रतिरोधी हैं।जिससे दलहन कृषि परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण फसल बन गई है उन्होंने बताया कि दलहनी फसले कम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जित करती हैं तथा कार्बन को अवशोषित करने का काम करती हैं और मृदा स्वास्थ्य बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं जो दलहन को जलवायु के अनुकूल और देश के लिए रणनीतिक रूप से आवश्यक फसल बनती है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि इस सम्मेलन में देश विख्यात प्राप्त 100 से अधिक दलहनी फसलों के शोध वैज्ञानिक प्रतिभाग करेंगे, जो दलहन सुधार कार्यक्रमों में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए कृषि अनुसंधान में आधुनिक उपकरणों तथा विशिष्ट उत्पाद विकसित करने के महत्व आदि को रेखांकित करेंगे। कुलपति डॉ गुप्ता ने कहा कि इस वार्षिक बैठक का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय प्रणाली में मूल्य संवर्धन करना और दलहन सुधार कार्यक्रमों को गति देना है तथा देश को दलहन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हेतु राष्ट्रीय दिशा से जुड़ कर रणनीति तैयार करना है।

IV दैनिक जागरण

23/08/2026

एक नजर में

दलहन शोध और उत्पादन पर बैठक 29 से होगी

कानपुर : रबी दलहनी फसलों में शोध व उत्पादन हेतु सीएसए और आइआइपीआर के संयुक्त तत्वावधान में 29-30 अगस्त को 31वीं अखिल भारतीय वार्षिक समूह बैठक होगी। सौ से अधिक वैज्ञानिक दलहन सुधार व नई प्रजातियों पर मंथन करेंगे। कुलपति डा. संजीव गुप्ता व मीडिया प्रभारी डा. खलील खान ने जलवायु परिवर्तन में आधुनिक तकनीकों व दलहन के महत्व पर जोर दिया। जासं

अमर उजाला 23/08/2026

सीएसए में दलहनी फसलों पर बैठक 29 से

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और भारतीय दल अनुसंधान संस्थान की ओर से 29 अगस्त से दो दिवसीय अखिल भारतीय 31वीं वार्षिक समूह बैठक आयोजित की जाएगी। कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि यह बैठक रबी दलहनी फसलों पर पर होगी। इसका मुख्य उद्देश्य दालों की फसलों के मूल्य संवर्धन करना और दलहन सुधार कार्यक्रमों को गति देना रहेगा। मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि सम्मेलन में सौ से अधिक दलहनी फसलों के शोध वैज्ञानिक प्रतिभाग करेंगे। यह कृषि अनुसंधान में आधुनिक उपकरणों और विशिष्ट उत्पाद विकसित करने के महत्व को बताएंगे। (ब्यूरो)

अमर उजाला 23/08/2026

सीएसए में मशरूम प्रशिक्षण हुआ संपन्न

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चल रहा छह दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण शनिवार को संपन्न हो गया। यहां 49 ने प्रतिभाग किया, जिसमें तीन महिलाएं शामिल हैं। जिला उद्यान अधिकारी उमेश चंद्र, भारत एग्रीटेक के संस्थापक डॉ. धनंजय सिंह और एमएसएमई के शिवम त्रिपाठी मौजूद रहे। (संवाद)

कानपुर महानगर
वर्ष : 10 पृष्ठ : 8
अंक : 170
मूल्य : 02.00/-
कानपुर 23-08-2026, रविवार

हिन्दी दैनिक
स्वतंत्र हित
सच जन जन तक

सीएसए में जुटेंगे देशभर के दलहन वैज्ञानिक, रबी दलहनी फसलों पर बनेगी नई रणनीति

कानपुर ब्यूरो कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) कानपुर में रबी दलहनी फसलों के अनुसंधान और विकास को नई दिशा देने के लिए 29 और 30 अगस्त 2026 को 31वीं अखिल भारतीय वार्षिक समूह बैठक आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय और भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में होने वाली इस दो दिवसीय बैठक में देशभर के 100 से अधिक प्रमुख दलहन वैज्ञानिक और शोधकर्ता भाग लेंगे। कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि दलहन भारतीय कृषि और पोषण सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार हैं। इनमें प्रोटीन की प्रचुरता होने के साथ-साथ सूखा, गर्मी और सर्दी जैसे विभिन्न पर्यावरणीय तनावों को सहने की उल्लेखनीय क्षमता होती है। यही कारण है कि बदलती जलवायु परिस्थितियों में दलहन फसलों का महत्व लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलें अपेक्षाकृत कम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के साथ कार्बन अवशोषण में भी योगदान देती हैं। साथ ही, ये मृदा स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस दृष्टि से दलहन न केवल जलवायु-अनुकूल फसल हैं, बल्कि देश की खाद्य एवं कृषि आत्मनिर्भरता के लिए भी रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण हैं। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि बैठक में देश के विभिन्न कृषि अनुसंधान संस्थानों से आए वैज्ञानिक दलहन सुधार कार्यक्रमों से जुड़ी मौजूदा चुनौतियों पर मंथन करेंगे। आधुनिक कृषि अनुसंधान उपकरणों के उपयोग, उन्नत तकनीकों और विशिष्ट उत्पादों के विकास सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। कुलपति डॉ. गुप्ता ने कहा कि वार्षिक समूह बैठक का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रीय दलहन अनुसंधान प्रणाली में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना, दलहन सुधार कार्यक्रमों को गति देना और भारत को दलहन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रभावी रणनीति तैयार करना है। बैठक में होने वाला वैज्ञानिक मंथन रबी दलहनी फसलों की उत्पादकता, गुणवत्ता और जलवायु सहनशीलता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होने की उम्मीद है।